

Handwritten signature and scribbles.

भारतीय न्यायपालिकाको कार्यालय, काठमाडौं

संख्या क्रमांक

२०७२ पुनरीक्षण

R 3232-J/12

१ सपेन्द्र प्रसाद

२ बन्धु प्रसाद

३ सुब्र प्रसाद

४ शशीन्द्र प्रसाद

सभो मुख्यालय कपिल मुन्नी द्विवेदी

निवासीयण ग्राम मुडवानी तहसील

चित्तेश्वरी जिला सिन्धुली मा

विराट

✓ १. सपेन्द्र प्रसाद विवासेवा बजार

✓ २. बन्धु प्रसाद पित्त बटिया चमर

सोना विवासी काम-मुल्यानी

हाल निवासी ग्राम-कुरीडा

तहसील सिन्धुली जिला-सिन्धुली

३. सुब्र प्रसाद पित्त लक्ष्मीबाण

विवासी काम-मुडवानी

तहसील-चित्तेश्वरी जिला-सिन्धुली

श्री. सुकेश बज्राचार्य, कोषी

द्वारा आज दि. २२.१.१२ को

प्रस्तुत

Handwritten signature and date 22/1/12

राजस्थान सरकार

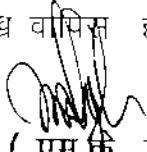
XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निग0 3232-एक/12

जिला - सिंगरोली

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
17.6.14	<p>यह निगरानी तहसीलदार, तहसील चितरंगी जिला सिंगरोली द्वारा राजस्व प्रकरण क्रमांक 8/अ-70/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 4-9-12 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है। आलोच्य आदेश द्वारा तहसीलदार ने उभयपक्षों को सुनने के उपरांत प्रकरण को प्रचलनशील माना है और आवेदक को साक्ष्य पेश करने के आदेश दिए हैं। तहसीलदार के इस अंतरिम आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है।</p> <p>2- आवेदक एवं अनावेदक क्रमांक 1 एवं 2 द्वारा लिखित बहस पेश की गई है। अनावेदक क्रमांक 3 प्रकरण में एकपक्षीय है।</p> <p>3- उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अभिलेख का अवलोकन किया तथा आलोच्य आदेश का अवलोकन किया। यह प्रकरण अनावेदक क्रमांक 1 एवं 2 द्वारा अधीनस्थ न्यायालय में संहिता की धारा 250 के तहत प्रस्तुत आवेदन पर प्रारंभ हुआ है। आलोच्य आदेश द्वारा तहसीलदार ने उभयपक्षों को सुनने के उपरांत अनावेदक द्वारा प्रस्तुत प्रकरण को प्रचलनशील माना है और आवेदक को साक्ष्य पेश करने के आदेश दिए हैं। चूंकि प्रकरण विचारण न्यायालय में लंबित है जहां उभयपक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा ऐसी स्थिति में इस स्तर पर अधीनस्थ न्यायालय की कार्यवाही में हस्तक्षेप का कोई आधार प्रतीत नहीं होता है। आवेदक जो तर्क इस न्यायालय के समक्ष उठा रहे हैं उन्हें वे अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष उठाने हेतु स्वतंत्र</p>	

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>हैं, जिन पर विधिवत विचार कर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय लिया जायेगा । परिणामतः यह निगरानी अपरिपक्व होने के कारण अस्वीकार की जाती है ।</p> <p>उभयपक्ष सूचित हों । अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख वापिस हों ।</p> <p style="text-align: right;"> (एम.के. सिंह) सदस्य, राजस्व मंडल, म0प्र0, ग्वालियर</p>	